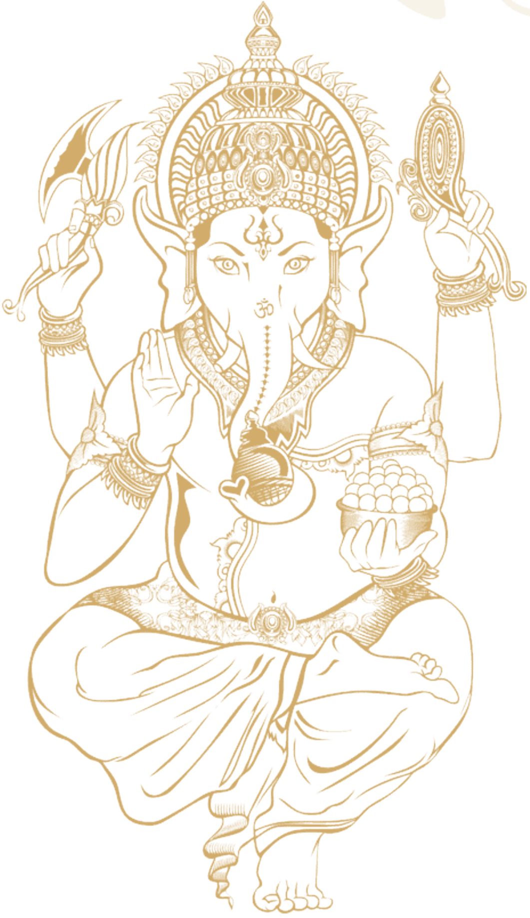

Niraj singh

02 Dec 1982

08:00 PM

Gopalganj

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120349804

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
02/12/1982	जन्म तिथि	**02/12/2025**
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	20:35:02 घंटे
घटी 34:00:36	जन्म समय(घटी)	35:27:08 घटी
India	देश	India
Gopalganj	स्थान	Gopalganj
उत्तर 26:28:00	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
पूर्व 84:26:00	रेखांश	84:26:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:07:44	स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:45	सूर्योदय	06:24:10
16:59:19	सूर्यास्त	16:59:22
23:36:48	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:12
मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मिथुन	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	अश्विनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	4
शुभ	योग	वरियान
गर	करण	कौलव
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मृग
43	गत/तत्कालिक वर्ष	44

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	3	28:57:42	मिथु			लग्न			कर्क	06:25:24	1	पुष्य
अनुराधा	4	16:28:12	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	16:28:12	4	अनुराधा
आर्द्रा	1	08:35:37	मिथु			चंद्र			मेष	13:09:43	4	अश्विनी
उत्तराषाढ़ा	2	00:26:54	मक			मंगल		अ	वृश्चि	26:17:01	3	ज्येष्ठा
ज्येष्ठा	3	23:36:08	वृश्चि		अ	बुध			तुला	27:11:00	3	विशाखा
विशाखा	4	01:26:22	वृश्चि			गुरु	व		कर्क	00:12:27	4	पुनर्वसु
ज्येष्ठा	3	23:31:13	वृश्चि		अ	शुक्र			वृश्चि	08:01:31	2	अनुराधा
स्वाति	1	06:42:59	तुला			शनि			मीन	00:57:19	4	पू०भाद्रपद
आर्द्रा	2	10:43:54	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	19:54:45	4	शतभिषा
मूल	4	10:43:54	धनु	व		केतु	व		सिंह	19:54:45	2	पू०फाल्गुनी
अनुराधा	3	11:35:27	वृश्चि			मु			मक	28:57:42	2	धनिष्ठा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित

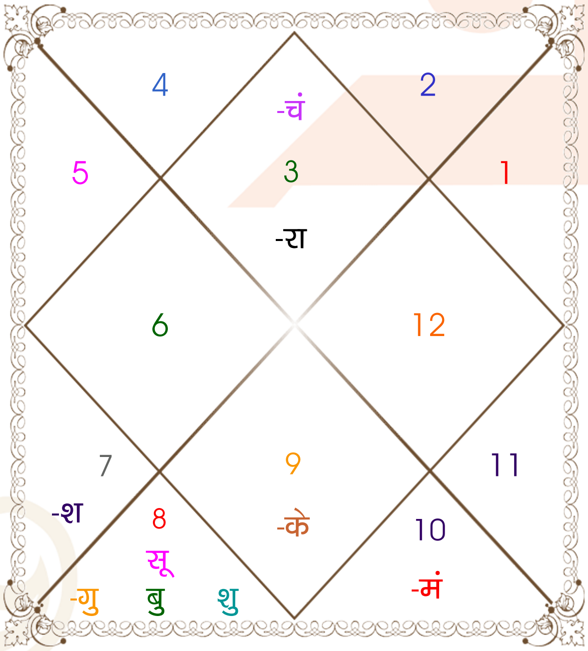

वर्ष लग्न कुंडली

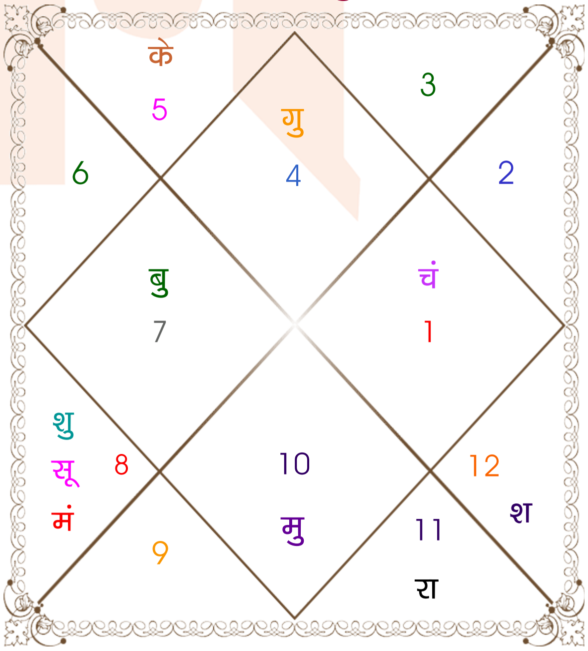

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - चंद्र - गुरु
15/09/2025 04:01
01/12/2025 06:37

गुरु	25/09/2025 10:46
शनि	07/10/2025 15:46
बुध	18/10/2025 13:56
केतु	23/10/2025 01:53
शुक्र	04/11/2025 22:19
सूर्य	08/11/2025 18:51
चंद्र	15/11/2025 05:04
मंगल	19/11/2025 17:01
राहु	01/12/2025 06:37

शनि - चंद्र - शनि
01/12/2025 06:37
02/03/2026 20:12

शनि	15/12/2025 18:34
बुध	28/12/2025 17:53
केतु	03/01/2026 02:05
शुक्र	18/01/2026 08:21
सूर्य	22/01/2026 22:13
चंद्र	30/01/2026 13:21
मंगल	04/02/2026 21:33
राहु	18/02/2026 15:11
गुरु	02/03/2026 20:12

शनि - चंद्र - बुध
02/03/2026 20:12
23/05/2026 18:28

बुध	14/03/2026 10:45
केतु	19/03/2026 05:27
शुक्र	01/04/2026 21:10
सूर्य	05/04/2026 23:29
चंद्र	12/04/2026 19:20
मंगल	17/04/2026 14:02
राहु	29/04/2026 20:58
गुरु	10/05/2026 19:08
शनि	23/05/2026 18:28

शनि - चंद्र - केतु
23/05/2026 18:28
26/06/2026 12:06

केतु	25/05/2026 17:41
शुक्र	31/05/2026 08:38
सूर्य	02/06/2026 01:07
चंद्र	04/06/2026 20:35
मंगल	06/06/2026 19:49
राहु	11/06/2026 21:15
गुरु	16/06/2026 09:12
शनि	21/06/2026 17:24
बुध	26/06/2026 12:06

शनि - चंद्र - शुक्र
26/06/2026 12:06
30/09/2026 21:21

शुक्र	12/07/2026 13:38
सूर्य	17/07/2026 09:18
चंद्र	25/07/2026 10:04
मंगल	31/07/2026 01:01
राहु	14/08/2026 12:00
गुरु	27/08/2026 08:26
शनि	11/09/2026 14:42
बुध	25/09/2026 06:25
केतु	30/09/2026 21:21

शनि - चंद्र - सूर्य
30/09/2026 21:21
29/10/2026 19:19

सूर्य	02/10/2026 08:03
चंद्र	04/10/2026 17:53
मंगल	06/10/2026 10:22
राहु	10/10/2026 18:27
गुरु	14/10/2026 14:59
शनि	19/10/2026 04:52
बुध	23/10/2026 07:11
केतु	24/10/2026 23:40
शुक्र	29/10/2026 19:19

शनि - मंगल - मंगल
29/10/2026 19:19
22/11/2026 10:04

मंगल	31/10/2026 04:23
राहु	03/11/2026 17:24
गुरु	06/11/2026 20:58
शनि	10/11/2026 14:42
बुध	13/11/2026 22:59
केतु	15/11/2026 08:03
शुक्र	19/11/2026 06:30
सूर्य	20/11/2026 10:51
चंद्र	22/11/2026 10:04

शनि - मंगल - राहु
22/11/2026 10:04
22/01/2027 03:25

राहु	01/12/2026 12:40
गुरु	09/12/2026 14:59
शनि	19/12/2026 05:44
बुध	27/12/2026 20:11
केतु	31/12/2026 09:12
शुक्र	10/01/2027 12:06
सूर्य	13/01/2027 12:58
चंद्र	18/01/2027 14:24
मंगल	22/01/2027 03:25

शनि - मंगल - गुरु
22/01/2027 03:25
17/03/2027 02:50

गुरु	29/01/2027 08:08
शनि	06/02/2027 21:15
बुध	14/02/2027 12:46
केतु	17/02/2027 16:20
शुक्र	26/02/2027 16:14
सूर्य	01/03/2027 09:00
चंद्र	05/03/2027 20:58
मंगल	09/03/2027 00:32
राहु	17/03/2027 02:50

शनि - मंगल - शनि
17/03/2027 02:50
20/05/2027 05:09

शनि	27/03/2027 06:24
बुध	05/04/2027 08:20
केतु	09/04/2027 02:04
शुक्र	19/04/2027 18:27
सूर्य	22/04/2027 23:22
चंद्र	28/04/2027 07:34
मंगल	02/05/2027 01:18
राहु	11/05/2027 16:02
गुरु	20/05/2027 05:09

शनि - मंगल - बुध
20/05/2027 05:09
16/07/2027 13:32

बुध	28/05/2027 08:08
केतु	31/05/2027 16:26
शुक्र	10/06/2027 05:49
सूर्य	13/06/2027 02:39
चंद्र	17/06/2027 21:20
मंगल	21/06/2027 05:38
राहु	29/06/2027 20:05
गुरु	07/07/2027 11:36
शनि	16/07/2027 13:32

शनि - मंगल - केतु
16/07/2027 13:32
09/08/2027 04:17

केतु	17/07/2027 22:36
शुक्र	21/07/2027 21:03
सूर्य	23/07/2027 01:23
चंद्र	25/07/2027 00:37
मंगल	26/07/2027 09:41
राहु	29/07/2027 22:41
गुरु	02/08/2027 02:15
शनि	05/08/2027 19:59
बुध	09/08/2027 04:17

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते‌ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्थशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।